तीव्र पुरुषार्थ के लिए खुद बनाएं अपनी गाइड लाइन्स

राजयोगिनी गीता दीदी,व्यापार और उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका

जब से हम सभी बाबा के बच्चों को सत्य ज्ञान और योग की सही विधि बाबा ने बताई है तब से हम सभी पुरुषार्थी बन ही गये हैं। बाबा ने सदा हमें समय का सिग्नल बताया है क्योंकि हमारे जीवन में समय का परिबल एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण परिबल है। वर्तमान समय जो हमारे लिए विशेष अपनी स्थिति बनाने के लिए है और विशेष प्राप्तियां, अनुभूतियां कर लेने के लिए है। लगातार लगभग 50 वर्षों से अव्यक्त बाबा की पालना हम सब लेते रहे हैं। लेटेस्ट समय अनुसार हमें क्या करना है, किन बातों पर ध्यान देना है, कहाँ हमें आगे बढ़ना है, कहाँ हम रूक गये हैं, कहाँ हम अटक गये हैं ये सारी बातें बाबा हमें बताते रहे हैं। हमें कोई विशेष चिंतन करने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। क्योंकि प्रतिवर्ष बापदादा की मिलन की सीज़न में बाबा दस-बारह मुरलियां चलाते रहे और हमें पूरे वर्ष के लिए होमवर्क देते रहे। हमें उसको सिर्फ फॉलो करना था। और हमारी प्यारी दादियां जो हमें प्रैक्टिकल आदर्श बनकर अपने तपस्वी जीवन से हमें सदा प्रेरणा देते रहे, प्यार देते रहे, उमंग-उत्साह बढ़ाते रहे।

अब आप देखिए कि 2017 के 31दिसम्बर के साथ प्यारे बापदादा का पार्ट पूरा हो गया। सम्पन्न हो गया। लेकिन अब हमें खुद, खुद के लिए गाइड लाइन बनानी है और अपने आपको आगे बढ़ाना है। पिछले दो साल में हमारी अधिकतर दादियां एडवांस पार्टी में चलीं गईं। अब सिर्फ एक दादी हमारे बीच में है जिसको एग्ज़ाम्पल के रूप में बाबा ने रखा है कि इस दुनिया में, इस शरीर में रहते हुए कैसे हमें न्यारा और अपनी उपराम स्थिति में रहना है। तो ये जो समय है वो है खुद जागने का, खुद ठानने का, खुद वो धुन लगाने का, तभी हम अपने आप को जो बाकी रहा है वो करके अपने को सम्पन्न बनाने का है। जैसे फाइनल एग्ज़ाम होती है तो टीचर का पार्ट पूरा हो जाता है। फाइनल एग्ज़ाम के पहले वो थोड़ा समय होता है जब स्टूडेंट पूरा कोर्स रिवाइज़ करता है और जो डिफिकल्ट सब्जेक्ट है उसके लिए, जिसमें वो कमज़ोर हैं उस पर गौर करते हैं, तो ये समय वो चल रहा है। इसीलिए हमें स्वयं के प्रति अंतर्मुख बनकर, अपने लक्ष्य के प्रति फोकस होकर खुद ही खुद के लिए तैयारी करनी है।

समय तो हम बाबा को दे ही रहे हैं, समय कोई जास्ती हमें निकलने वाला नहीं है क्योंकि हमारी जवाबदारियां भी हैं और कर्त्तव्य भी हैं। पर हमें अपने पुरुषार्थ को क्वालिटी वाला बनाना है साधारण नहीं, ढीला-ढीला नहीं लेकिन दिल की सच्ची लगन से हमें तीव्र पुरुषार्थ करना है।

अब ये देखने का समय नहीं है कि कौन क्या कर रहा है, ये समय है मुझे क्या करना है। बाबा ने क्या कहा है और हमें क्या करना है। उसपर फोकस हो जाने का ये समय है। इसीलिए हमें औरों के तरफ नज़र नहीं रखनी है। बहुत वैरायटी सीन्स हमें देखने में आयेंगे। हर आत्मा का वैरायटी पार्ट है, हर आत्मा की अपनी लगन है, हर आत्मा का अपना चिंतन है, अपनी उनकी रूचि है इसीलिए पुरुषार्थ में हरेक वैरायटी नज़र आयेंगे। पर जिनको मंज़िल पर पहुंचना है उनको साइड सीन्स नहीं देखने। उनको अपने लक्ष्य को देखना है कि मंज़िल अभी भी मेरे लिए कितनी दूर है, समय की मार्जिन कितनी है और मेरी रफ्तार क्या है। मेरी स्पीड कैसी है, तो मंज़िल की दूरी देखते हुए और समय की मार्जिन को देखते हुए हमें अपनी रफ्तार को तीव्र बनाना है और तीव्र बनाना माना क्या? समय तो हम बाबा को दे ही रहे हैं, समय कोई जास्ती हमें निकलने वाला नहीं है क्योंकि हमारी जवाबदारियां भी हैं और कर्त्तव्य भी हैं। पर हमें अपने पुरुषार्थ को क्वालिटी वाला बनाना है साधारण नहीं, ढीला-ढीला नहीं लेकिन दिल की सच्ची लगन से हमें तीव्र पुरुषार्थ करना है।

बाबा ने भी कहा है कि लास्ट में आने वाले बच्चे भी अगर अपना समय और संकल्प वेस्ट नहीं करेंगे तो वो लास्ट सो फास्ट जा सकते हैं। एक बात और मैं बताना चाहूँगी कि जैसे स्पीड से हमें जाना है, ट्रैवल करना है, कार से जाना है तो दो चीज़, एक तो हमें हाईवे को पकड़ना चाहिए। अगर हम इधर-उधर, उबड़-खाबड़ रास्ते को पकड़ेंगे तो आप नहीं जा सकते हैं। आपको हाईवे एक्सप्रेस वे को पकड़ना है। तो हमें भी, हमारे लिए हाईवे कौन हैं हमारी दादियां हैं। जो हमारे बाबा-मम्मा हैं हमें बस उनको फॉलो करना है। दूसरों को देखेंगे तो आप स्पीड से नहीं जा सकेंगे। दादियां हमारे लिए रोल मॉडल हैं। और दूसरी बात अगर अच्छा व्हीकल होगा, क्वालिटी व्हीकल होगा तो आप स्पीड से जा सकेंगे। तो हमें भी बुद्धि में बहुत गहरा ज्ञान रखना है। क्वालिटी ब्राह्मण जीवन बनाना है तो हम बाबा-मम्मा को फॉलो कर सकेंगे। बड़ों को, दादियों को हम फॉलो कर सकेंगे। और हम अपने आप को भी सम्पन्न बना सकेंगे। और बाबा ने जो विश्व कल्याण का कार्य हमें दिया है, हम सब मिलकर उनको सम्पन्न कर सकेंगे।

शिमला-पंथाघाटी(हि.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम का उद्घाटन तथा महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वजारोहण के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में राज्यपाल महोदय राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, पूर्व विधायक ब्र.कु. हृदय राम तथा अन्य भाई-बहनें। इस अवसर पर राज्यपाल ने सेवाकेन्द्र के परिसर में बनाए जाने वाले पार्क का उद्घाटन कर एक सेब का पौधारोपण किया।

जयपुर-सोडाला(राज.)। महाशिवरात्रि पर्व पर आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित बाइक रैली के साथ ब्रह्माकुमारी बहनों का स्वागत करते हुए पूर्व मंत्री एवं विधायक कालीचरण सराफ, पार्षद कविता कटियार तथा भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता बहन।

शहेरा-गुज.। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' परियोजना के अंतर्गत शिव जयंती महोत्सव में शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेखा दीदी,संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़ पंचमहाल,दाहोद,महीसागर जिला गोधरा। साथ हैं जेठाभाई भरवाड़,उपाध्यक्ष श्री गुजरात विधानसभा एवं धारा सभ्य श्री शहेरा, उर्मिला नायका,प्रमुख श्री नगर सेवा सदन शहेरा, एन.आर. चौधरी,पी.आई. श्री तालुका पुलिस स्टेशन शहेरा, हीमतसिंह बारिया,उपप्रमुख श्री नगर सेवा सदन शहेरा, डॉ. कमलेश परमार,बी.आर.सी. शिक्षण विभाग शहेरा, मंगल बारिया,भाजपा प्रमुख शहेरा तथा ब्र.कु. रतन बहन,संचालिका ब्रह्माकुमारीज़ शहेरा।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। माघी शिवरात्रि मेला के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन हैं चरन दास महंत,अध्यक्ष,छ.ग. विधानसभा, ताम्रध्वज साहू, राज्यमंत्री,गृह,जेल,लोक निर्माण,पर्यटन,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, कवासी लखमा,वाणिज्य कर मंत्री, धनराज जी,अध्यक्ष,नगर पालिका, ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. पुष्पा बहन तथा अन्य गणमान्य लोग।

राजगढ़-इंगले कॉलोनी(म.प्र.)। 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की जिला संचालिका ब्र.कु. मधु बहन, भूअभिलेख अधीक्षक संजीव चौरसिया, नगर पालिका सीएमओ पवन अवस्थी, हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र सरावत, रूद्रेश्वर महाकाल समिति के अध्यक्ष सुनील टेलर, हेड पोस्ट मास्टर सीमा दुबे, केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य नंदकिशोर सोनी, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. नम्रता बहन, ब्र.कु. नीलम बहन तथा अरविंद सक्सेना।

लहरपुर-सीतापुर(उ.प्र.)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटते हुए ब्लॉक प्रमुख उमाशंकर वर्मा, ब्र.कु. योगेश्वरी बहन, ब्र.कु. रेनू बहन, ब्र.कु. रश्मि बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

तखतपुर-छ.ग.। मेले में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए विधायक रश्मि सिंह, कांग्रेस सचिव अध्यक्ष आशीष सिंह, सचिव गरीबा यादव, ब्र.कु. ममता बहन तथा ब्र.कु. निकिता बहन।

दिल्ली-मजलिस पार्क। 86वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ए.एस.पी. दिनेश, गुरुद्वारे के चीफ सुरेन्द्र सिंह भाटिया, इंद्रा नगर गुरुद्वारे से सरदार बलवंत सिंह, मोती मस्जिद से मुफ़्ती मोहम्मद, निगम पार्षद गरिमा गुप्ता, भाजपा युवा नेता अरुण गुप्ता, ब्र.कु. राजकुमारी दीदी, ब्र.कु. शारदा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

उदयपुर-मोती मगरी(राज.)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीटा दीदी, दिल्ली गेट गुरुद्वारा के ज्ञानी जी, वाइस चांसलर उमाशंकर जी, पंडित रावत जी तथा बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे। सभी ने शिव ध्वजारोहण कर अपने जीवन को शुद्ध पवित्र बनाने की प्रतिज्ञा की।

सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' तथा 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तहसीलदार सुनील चौहान, एस.एच.ओ. कर्म चंद ठाकुर, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. रेवादास, ब्र.कु. शकुंतला बहन तथा अन्य विशिष्ट लोगों सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़ से.2-हरियाणा। सेवाकेन्द्र में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् युद्धवीर जी,चेयरमैन,हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन एसोसिएशन को ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. विनीता बहन, ब्र.कु. रूबी, ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. कोमल तथा अन्य।